Brain International School
Vikas Puri, New Delhi

अभ्यास पत्र . 2

विषय: हिंदी कक्षा- IX मई,2025

प्रश्न 1- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

कुछ व्यक्ति सोचते हैं कि अब मानव सभ्य और शिक्षित हो गया है, उस पर किसी भी प्रकार के नियमों का बंधन नहीं होना चाहिए। वह स्वतंत्र रूप से जो भी करे उसे करने देना चाहिए। लेकिन यदि व्यक्ति को यह अधिकार दे दिया जाए तो चारों तरफ वन्य जीवन जैसी अव्यवस्था आ जाएगी। मानव, मानव ही है, देवता नहीं। उसमें सुप्रवृत्तियाँ और कुप्रवृत्तियाँ दोनों ही होती हैं। मानव सभ्य तभी तक रहता है जब तक वह अपनी सुप्रवृत्तियों की आज्ञा के अनुसार कार्य करे। इसलिए मानव के पूर्ण विकास के लिए कुछ बंधनों और नियमों का होना आवश्यक है। अनुशासनबद्धता मानव जीवन के मार्ग में बाधक नहीं अपितु उसको पूर्ण उन्नति तक पहुँचाने के लिए अनुकूल अवसर प्रदान करती है। अनुशासन के बिना तो मानव जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

1. कुछ व्यक्ति ऐसा क्यों सोचते हैं कि नियमों का बंधन नहीं होना चाहिए ?
(क) क्योंकि इससे स्वतंत्रता का हनन होता है।
(ख) क्योंकि मानव अब सभ्य और शिक्षित हो गया है।
(ग) क्योंकि बंधन गुलामी का प्रतीक है।
(घ) क्योंकि नियमों का बंधन तरक्की के मार्ग में बाधक है।
2. नियमों के अभाव का समाज पर क्या प्रभाव होगा ?
(क) समाज में चारों ओर शांति-व्यवस्था होगी।
(ख) समाज चहुँमुखी उन्नति करेगा।
(ग) समाज में वन्य जीवन जैसी अव्यवस्था आ जाएगी।
(घ) समाज छिन्न-भिन्न हो जाएगा।
3.अनुशासन क्यों आवश्यक है?
4.'मानव, मानव ही है, देवता नहीं' से क्या तात्पर्य है ?

प्रश्न 2 – निम्न शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक लगाकर उन्हें पुनः लिखें–
गदगी , वसत , घुघरू , झाड़िया ,हसना , वस्तुए , सस्कार, मागलिक

प्रश्न 3 - परीक्षा में प्रथम आने पर अपने मित्र को बधाई पत्र लिखिए।